देवघर, सोमवार
15.03.2021 | प्रभात खबर

दुमका आसपास

ब्रीफ न्यूज

किसानों को मिली केंचुआ खाद बनाने की जानकारी

दुमका. आत्मा परियोजना दुमका द्वारा भागलपुर से आये किसानों को ठेली के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह परिभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इसमें 96 प्रगतिशील किसान, पांच प्रखंड तकनीकी प्रबंधक व सहायक तकनीकी प्रबंधक भाग ले रहे हैं. समेकित कृषि प्रणाली पर इन किसानों को दुमका के परियोजना निदेशक डॉ दिवेश कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक संजय कुमार मंडल व सहायक तकनीकी प्रबंधक भारती कुमारी प्रशिक्षण दे रहे हैं. उद्घाटन के बाद डॉ दिवेश ने जहां विभिन्न फसलों में लगनेवाले रोग, कीट-व्याधि के प्रबंधन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. वहीं उन्होंने दुमका के किसानों द्वारा समेकित कृषि व उसे लेकर अन्य क्रिया कलाप से अवगत कराया. उप परियोजना निदेशक संजय कुमार मंडल ने केंचुआ खाद बनाने की विधि से अवगत कराया. तथा इसके लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. कृषकों को परिभ्रमण के लिए शिकारीपाड़ा प्रखंड के सरुवाडीह,रानीश्वर प्रखंड के बांसकुली, मसानजोर डैम व जामा प्रखंड के प्रगतिशील कृषक नुनूलाल बेसरा के फार्म ले जाया गया. सभी प्रतिभागी सिलान्दा नर्सरी का भी परिभ्रमण करेंगे.

दैनिक जागरण | 3
मंगलवार 15 मार्च, 2021

किसानों ने सीखा कीट प्रबंधन का तरीका

जागरण संवाददाता, दुमका : दुमका के आत्मा परिसर में रविवार को भागलपुर से तीन दिवसीय परिभ्रमण में आए किसानों को पहले दिन कीट प्रबंधन की जानकारी दी गई। दुमका आत्मा के परियोजना निदेशक डॉ.दिवेश कुमार सिंह ने किसानों को फसलों में लगने वाले रोग, कीट व्याधि एवं समय पर इसके प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दुमका के कई प्रगतिशील किसानों के प्रयोगों के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को शिकारीपाड़ा प्रखंड के सरुवाडीह, रानीश्वर के बांसकुली, मसानजोर डैम एवं जामा प्रखंड के प्रगतिशील किसान नुनूलाल बेसरा की सिलांदा नर्सरी का भ्रमण

जरमुंडी/हंसडीहा

देवघर, गुरुवार 18.03.2021 प्रभात खबर 04

पहल. किसान मंटू प्रसाद मंडल ने डेढ़ बीघा खेत में मोहाली पंजाब से मंगा कर लगायी फसल

जिले में पहली बार हो रही काले गेहूं की खेती

जायजा लेने हंसडीहा पहुंचे संयुक्त कृषि निदेशक

- इस तरह की खेती से किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज मिलेगा

जैविक खाद का प्रयोग करना अच्छी पहल, कहा: काले गेहूं में पाये जाते हैं भरपूर पोषक तत्व

फसल का जायजा लेते संयुक्त कृषि निदेशक व अन्य.

प्रतिनिधि, हंसडीहा

दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कसवा में इस बार काले गेंहू की खेती हो रही है. किसान मंटू प्रसाद मंडल ने इलाके में काला गेहूं लगाकर पहल की है. इन्होंने डेढ़ बीघा खेत में 30 किलो काले गेहूं के बीज को मोहाली पंजाब से मंगा कर लगाया है. गेहूं का बीज समान बीजों की तुलना में महंगा है. किसान मंटू मंडल ने बताया कि काले गेहूं का बीज सामान्य बीजों की तुलना में 3 गुणा महंगा होता है. काले गेहूं का बीज 100 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से मंगाया गया. हंसडीहा पहुंचने पर खर्च समेत इसकी लागत 200 रुपये प्रति किलो पड़ी. नवम्बर माह में मंटू ने खेत में काले गेहूं की बुआई की थी और जैविक खाद का उपयोग किया था. अब फसल में बालियां तैयार हो कर पकने लगी है. इसकी जानकारी पर संयुक्त कृषि निदेशक अजय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक आत्मा डॉ. दिवेश कुमार सिंह तथा प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सत्यव्रत मिथिलेश कुमार, किसान सदानन्द मंडल किसान मंटू के काले गेहूं देखने खेत पर पहुंचे. विभागीय पदाधिकारियों ने आगे की सोच रखने वाले मंटू की काफी सराहना की. फसल दिखाने के क्रम में मंटू ने श्री सिंह से कहा इसके बाद धान के समय भी नये प्रभेद के काला धान लगाने का विचार से अवगत कराया. इस किसान के कार्यों एवं जिज्ञासा को देख संयुक्त कृषि निदेशक ने प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने की बात कही. संयुक्त कृषि निदेशक श्री सिंह ने कहा कि आत्मा द्वारा हर ब्लॉक में ऐसे कार्यों को कराने का प्रयास किया जाएगा. यहां की फसलों में लोग खाद का प्रयोग कम कर रहे हैं. जैविक खाद का प्रयोग हो रहा, यह अच्छी पहल है. बताया कि निश्चित रूप से काला गेहूं में पोषक तत्व ज्यादा पाया जाता है. इसे जो खाएगा निश्चित रूप से उसका इम्युनिटी सिस्टम मजबूत होगा. पोषाहार की बात जो सरकार कर रही है. वह भी इसमें भरपूर है. प्रोटीन जितना होना चाहिए उससे अधिक है. विटामिन सी जितना चाहिए वह भी तथा आयरन-जिंक भी अधिक है. कहा कि इस काले गेहूं के फसल की उपज क्षमता अन्य गेहूं से ज्यादा है. अब उपज की कमी नहीं रह गई. अब फसल के उपज की गुणवत्ता को बढ़ाने की आवश्यकता है. लिहाजा अन्य किसानों को भी ऐसी पहल करने की जरूरत है.

4 दैनिक जागरण भागलपुर, 4 अप्रैल, 2021 दुमका आसपास जागरण

सिंचाई बिना खतरे में साग-सब्जियां

धोबैय नदी का जलस्तर नीचे जाने से लगभग सौ एकड़ जमीन की सिंचाई मुश्किल

संवाद सहयोगी, बासुकीनाथ: गर्मी की दस्तक के साथ ही जरमुंडी प्रखंड के अधिकांश कुआं, नदी, आहर, बांध और तालाब सूखने लगे हैं। किसान व पशुपालकों के समक्ष विकट समस्या उत्पन्न हो गई है। एक तरफ किसान अपनी फसल को बचाने की जद्दोज़हद में लगे हैं तो वहीं कृषि पशुपालकों के बीच मवेशियों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था करना दुरूह हो गया है। भीषण गर्मी के कारण जरमुंडी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भालकी के किसान बेहाल हैं। धोबैय नदी के आसरे लगभग 100 एकड़ भूमि में लगी साग-सब्जी बर्बादी की कगार पर है। इसका मुख्य कारण नदी का भूगर्भ जलस्तर काफी नीचे चला जाना है।

कई वर्षों से किसान नदी में 10-15 फीट गहरा गड्ढा खोदकर जरूरत का पानी सहजता से निकालकर खेतों को सींच रहे थे, लेकिन अवैध उत्खनन कर बालू माफियाओं द्वारा नदी के रेत का अत्यधिक दोहन किए जाने से जलस्तर काफी नीचे चला गया है। इस कारण पानी के अभाव में एक सौ एकड़ में लगी मकई, भिंडी, करेला, कद्दू, की फसल बर्बाद हो रही है। स्थानीय किसानों का कहना है यदि फसल नष्ट हो जाएगी तो सभी कैसे जिएंगे। सभी किसान कृषि पर ही आश्रित हैं। इस संदर्भ में स्थानीय किसानों ने फसलों को बचाने के लिए नदी में एक जलाशय खुदवाने के लिए जरमुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी व उपायुक्त से अपील की है।

जरमुंडी प्रखंड के भालकी गांव में किसानों के साथ पटवन की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे आत्मा के परियोजना निदेशक देवेश कुमार सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी ओम प्रकाश चौधरी, बीटीएम समरेंद्र सिन्हा, एटीएम नंदलाल मंडल व जीवन मंडल • जागरण

किसान हराधन मांझी, जीवन मंडल, बबलू चौधरी, गंगाधर पंजियारा, रामचंद्र तत्वा, मनोज कुमार, गणेश कुमार, विजय मांझी, कमल किशोर यादव, अनिल कापरी, रंजीत कापरी, संजय तत्वा आदि ने आत्मा के परियोजना निदेशक दिवेश कुमार सिंह से दूरभाष पर वार्ता कर फसलों को बचाने के लिए गुहार लगाई। कहा कि अगर इस दिशा में यथाशीघ्र कोई पहल नहीं हुई तो भीषण गर्मी में फसल झुलस कर बर्बाद हो जाएगी।

नहीं बर्बाद होगी किसानों की फसल: परियोजना निदेशक

संस, बासुकीनाथ: सूख रही फसलों की जानकारी लेने के लिए शनिवार को आत्मा के परियोजना निदेशक दिवेश कुमार सिंह व जिला कृषि पदाधिकारी ओम प्रकाश चौधरी गांव पहुंचे। परियोजना निदेशक ने पटवन में आ रही समस्या पर कृषकों से बात की। आश्वस्त किया कि वह यहां की स्थिति से उपायुक्त राजेश्वरी बी को अवगत कराकर इस समस्या के समाधान का यथाशीघ्र प्रयास करेंगे, ताकि किसानों की फसल बर्बाद ना हो। उन्होंने बताया कि सब्जी की खेती के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत 90 फीसद कृषि अनुदान पर ड्रिप इरिगेशन सिस्टम लगाया जाता है। इससे 70 से 80 फीसद पानी की बचत होती है। कृषक इसका लाभ उठाएं। परियोजना निदेशक ने कहा कि कोई भी फसल पंक्ति में लगाने से उपज में वृद्धि होती है एवं पटवन में सुविधा प्राप्त होती है। जिला कृषि पदाधिकारी ने गांव में घूम कर कृषकों से वार्ता की एवं मामले की जानकारी ली। मौके पर बीटीएम समरेंद्र सिन्हा, एटीएम नंदलाल मंडल, किसान जीवन मंडल, हराधन मांझी, अनिल कापरी सहित अन्य मौजूद थे।

प्रभात खबर
देवघर, रविवार
04.04.2021
03

जायजा | जिला कृषि पदाधिकारी व परियोजना निदेशक ने लिया फसल की स्थिति का जायजा

भालकी पहुंचे पदाधिकारी, किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने का दिया भरोसा

भालकी में किसानों के साथ स्थिति का जायजा लेते डीएओ एवं आत्मा परियोजना निदेशक

प्रतिनिधि, वासुकिनाथ

उपायुक्त के निर्देश पर जिला कृषि पदाधिकारी ओमप्रकाश चौधरी एवं आत्मा परियोजना निदेशक देवेश कुमार शनिवार को जरमुंडी प्रखंड के भालकी गांव फसल सूखने की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे. भालकी गांव के किसान सिंचाई के अभाव में परेशान हैं. 100 एकड़ में लगी फसल पानी के अभाव में बर्बाद हो रही है. खबर प्रकाशित होने के बाद डीएओ एवं परियोजना निदेशक ने किसानों से मिलकर उन्हें आश्वासन दिया कि उपायुक्त को किसानों की स्थिति से अवगत कराया जायेगा. किसानों का फसल बर्बाद नहीं हो इसके लिए किसानों

प्रभात खबर इंपैक्ट

को सब्जी की खेती के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदान पर ड्रिप इरिगेशन सिस्टम के बारे में जानकारी दी. इससे 70 से 80 प्रतिशत पानी की बचत होती है.

इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों को प्रेरित किया. परियोजना निदेशक ने कहा कि कोई भी फसल पंक्ति में लगायें, इससे उपज में वृद्धि होती है. फसल मरने से परेशान किसानों ने कृषि विभाग से त्राहिमाम करते हुए मदद की गुहार लगायी है. नदी में किये गये बोरिंग द्वारा गांव के सैकड़ों किसान पटवन कर फसल उपजाते थे लेकिन नदी में जल स्तर नीचे चले जाने के कारण बोरिंग सूख गया है. जिससे नदी किनारे खेतों में लगाया गया मकई, भिंडी, करेला, कद्दू आदि फसल बर्बाद हो रहा है. किसान जीवन मंडल ने बताया कि पानी के अभाव में फसल बर्बाद हो जाने से परिवार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है.

सिंचाई व्यवस्था से खेतों में लहलहाते गेहूं, मकई, सरसों, मटर, साग, सब्जी समेत अन्य फसल पटवन के अभाव में प्रभावित हो रहा है. इस गांव के किसान खेती पर ही आश्रित हैं. किसानों ने बताया कि नदी में एक जलाशय खुदवा देने से फसल को बचाया जा सकता है. सामाजिक कार्यकर्ता जीवन मंडल के नेतृत्व में ग्रामीण किसानों ने परियोजना निदेशक को किसानों की समस्याओं के बारे में बताया.

मौके पर बीटीएम समरेंद्र सिन्हा, एटीएम नंदलाल मंडल, किसान जीवन मंडल, हराधन मांझी, बबलू चौधरी, गंगाधर पंजियारा, रामचंद्र ततवा, मनोज कुमार, गणेश कुमार, विजय मांझी, कमल किशोर यादव, अनिल कापरी, रंजीत कापरी, संजय ततवा सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे.

खेती की नई तकनीक

बीजोपचार

है उद्देश्य हमारा
फसलों को रोगों से छुटकारा

बीजोपचार स्वस्थ फसलें

हर बीज को सुरक्षा का टीका

जैसे की हर बच्चे को
पोलियो का टीका